भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी का 'स्वच्छ भारत' एम्बेसडर को संबोधन

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली: 10.09.2014

मैं स्वच्छ भारत अभियान के प्रति समर्पित सभी एम्बेसडर को एक साथ लाने के लिए शहरी विकास मंत्रालय को बधाई देता हूं। इस कार्यक्रम के प्रति इस प्रकार का भारी उत्साह देखकर प्रसन्नता हो रही है तथा आज आपकी जोरदार उपस्थिति से मुझे इसकी सफलता का विश्वास हो गया है।

2. भारत द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करने से पूर्व महात्मा गांधी ने एक बार कहा था, 'स्वच्छता राजनीतिक स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण है।' परंतु स्वतंत्रता के 68 वर्ष के बाद भी स्वच्छता से संबंधित आंकड़े कुछ और दर्शाते हैं तथा आज भी 12 प्रतिशत शहरी भारतीय घरों की स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच नहीं हैं। इसके लिए समाज के सभी भागीदारों द्वारा उपचारी कदम उठाने जरूरी हैं। 09 जून 2014 को संसद के संयुक्त सत्र में, मैंने कहा था, 'हमें ऐसी असम्मानजनक स्थिति को सहन नहीं करना है जिसमें घरों में शौचालय न हों और सार्वजनिक स्थान गंदगी से भरे हों। देश भर में स्वास्थ्यकर परिस्थितियां, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए ''स्वच्छ भारत मिशन'' चलाया जाएगा। ऐसा करना महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर हमारी श्रद्धांजलि होगी जो वर्ष 2019 में मनाई जाएगी।'

3. 2 अक्तूबर 2014 को, हमारे राष्ट्र ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता की शपथ ली थी। हम

सभी आज यहां उपस्थित हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हम इस उद्देश्य को मिलकर पूरा कर सकते हैं तथा खुले में शौच से होने वाली शर्मिंदगी से छुटकारा पा सकते हैं। अब कार्रवाई का समय आ गया है।

4. पिछले एक वर्ष के दौरान, अच्छी प्रगति हुई है, परंतु अभी बहुत कुछ किया जाना है। वहनीय तथा सतत् स्वच्छ अवसंरचना के निर्माण के अलावा इस अभियान की सफलता हर व्यक्ति के कार्य पर भी उतना ही निर्भर है। इसलिए यह कार्यनीति बनाई गई है। इसे 'जन आंदोलन' बनाने के लिए देश की जानी-मानी हस्तियों को स्वच्छ भारत एम्बेसडर के रूप में जोड़ा जाए। हमें बनाई गई गति को कायम रखना होगा।

5. स्वच्छ भारत के एम्बेसडर जनता को सुरक्षित स्वच्छता परिपाटियों को अपनाने तथा उन्हें अपने जीवन में आत्मसात् करने के लिए प्रभावित करने में बहुत सक्षम हैं। एक एम्बेसडर न केवल अपने अनुयायियों को स्वच्छ भारत की भावना को आत्मसात् करने के लिए प्रोत्साहित करता है वरन् उन्हें खुद स्वच्छ भारत एम्बेसडर बनने के लिए प्रेरित करते हुए इस आंदोलन को सही मायने में जन आंदोलन बनाता है।

6. एम्बेसडर की भूमिका न केवल जागरूकता पैदा करना तथा नागरिकों को प्रेरित करना है वरन् वह क्षेत्र में जाकर अभियान की गतिविधियों में सहयोग भी देता है। सामुदायिक एकजुटता, जागरूकता पैदा करने, सामुदायिक अंगीकरण सहित विविध मंचों तथा अन्य परोपकारी गतिविधियों के जरिए स्वच्छता के तरीकों को बढ़ावा देने में योगदान के लिए आप अपने बहुमूल्य समय में से कुछ घंटे दे सकते हैं। यह आवश्यक है कि आप एक बार ही नहीं बल्कि निरंतर इससे जुड़े रहें

क्योंकि हाथ में लिए गए इस कार्य के लिए सतत् प्रयास की आवश्यकता है। जब तक प्रत्येक गली साफ नहीं होती, प्रत्येक नागरिक की सुरक्षित स्वच्छता तक पहुंच नहीं होती और प्रत्येक विद्यार्थी स्वच्छ वातावरण में नहीं रहता, तब तक हमारा कार्य अधूरा है।

7. मैं एक बार पुन: केंद्रीय शहरी विकास मंत्री, श्री वैंकेय्या नायडू को जानी-मानी हस्तियों को स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में जोड़ने की पहल करने के लिए बधाई देता हूं। मैं स्वच्छ भारत मिशन पर एक कॉफी टेबल पर बुक जारी करने के लिए उन्हें और शहरी विकास मंत्रालय की पूरी टीम को बधाई देता हूं। मैं इस मिशन के प्रति दृढ़ निष्ठा देखकर प्रसन्न हूं तथा मुझे इस महत्वपूर्ण कार्य में भारत के सभी नागरिकों की भागीदारी की उम्मीद है। मुझे विश्वास है कि स्वच्छ भारत के माध्यम से हम महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर उपयुक्त श्रद्धांजलि देंगे। आइए हम उनके सपनों का राष्ट्र बनाएं।

जय हिंद!